खबर संक्षेप

मैहर की घोरबई पंचायत में विकास कार्यों की खुली पोल

मैहर। जनपद मैहर की ग्राम पंचायत घोरबई में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कागजों पर पूरे हो चुके कई कार्य जमीनी हकीकत में अधूरे और खतरनाक साबित हो रहे हैं,जिससे ग्रामीणों,बुजुर्गों और खासकर बच्चों की जान को जोखिम है। ताजा मामला शासकीय माध्यमिक विद्यालय घोरबई के सामने का है। यहां विकास कार्य के तहत एक नाली का निर्माण डस्ट से कर दिया गया है,लेकिन इसे ढका नहीं गया है। यह खुली नाली अब विद्यालय के छोटे विद्यार्थियों के लिए मौत का कुआँ बनकर उभरी है,जिससे कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है।ग्रामीणों का आरोप है कि जनपद मैहर के सीईओ कार्यालय में भले ही विकास कार्य पूरे दिखा दिए जाते हों,लेकिन धरातल पर वे अधूरे और गुणवत्ताविहीन रह जाते हैं। यह स्थिति घोरबई पंचायत के विकास में बड़ी बाधा बन रही है। अब सवाल यह है कि क्या उच्च अधिकारी इस गंभीर विषय को संज्ञान में लेंगे,या फिर इन अधूरे कार्यों को हमेशा की तरह नजरअंदाज कर दिया जाएगा? घोरबई में अधूरे काम रहकर ही क्यों पीछे रह जाते हैं,यह एक बड़ा प्रश्न है।

मैहर के रजहा बांध निर्माण में भ्रष्टाचार, बाल-बाल बचे मासूम

मैहर। ग्राम वंशीपुर में रजहा बांध का निर्माण कार्य एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले चरण के भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए अब दोबारा हो रहे निर्माण में भी भारी अनियमितता बरती जा रही है। सोमवार सुबह स्कूल जा रहे बच्चों की गाड़ी अधूरे निर्माण के कारण हादसे का शिकार होते-होते बची,जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस घटना ने ग्रामीणों में आक्रोश पैदा कर दिया है। उनका कहना है कि मीडिया में मामला आने के बाद आनन-फानन में सुधार कार्य शुरू कर दिया गया,जो प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सड़कों का डामरीकरण पश्चात किया गया निरीक्षण

मझगवां। लोक निर्माण विभाग कार्यालय यंत्री बीआर सिंह द्वारा लोनिवि उपसम्भागीय कार्यलय मझगवां क्षेत्र अंतर्गत विभागीय सड़के जैसे मझगवां टाउन,पटनी फैक्ट्री से डाडिन ग्राम तक मझगवां पामारिया बाबा से पहाडीखेरा रोड में घटना केल्हौरा में बन रही पुलियों तथा पिण्डरा ते बरौधा रोड में सड़क मरम्मत पैच का काम भरगवां से कोल्दरी तक डामर कार्य का निरीक्षण किया गया। बी.आर.सिंह कार्यपालन यंत्री के साथ उपयंत्री सुरेन्द्र सिंह समयपाल विशंभर श्रीवास्तव समयपाल श्रीपयासी भी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे। मझगवां से पहाठी खेरा रोड में बन रही पुलियों में सीमेंट व लोहा के उपयोग को निर्माण स्थल पर देखा गया। निर्माण एजेंसी के प्रबंधक श्री द्विवेदी को सड़क तथा पुल. पुलियों के कार्य में स्टीमेट अनुसार ही निर्माण कार्य करने की हिदायत दी गई मझगवां क्षेत्र में विभागीय सडकों के गुणवत्ता की जॉच हेतु समस्त नीवन निर्मित सड़कों का निरीक्षण किया गया। उपरोक्त विभागीय निर्माण कार्यों की गुणवत्ता या त्रुटिपूर्ण होने की जानकारी पूछने पर कार्यपालन यंत्री द्वारा जांच बाद जानकारी की बात कही गई है।

रेलवे स्टेशन पर पार्किंग व्यवस्था भगवान भरोसे: वाहन चालकों की बढ़ी मुसीबत

सतना। पश्चिम मध्य रेलवे के सतना रेलवे स्टेशन पर वाहन पार्किंग का ठेका समाप्त होने के बाद से स्थिति अनियंत्रित हो गई हैं,जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठेके की अवधि खत्म हुए कई दिन हो गए हैं,लेकिन रेलवे प्रशासन द्वारा नई व्यवस्था लागू करने में देरी के कारण अब वाहन चालक 'भगवान भरोसे' ही अपनी गाड़ियां पार्क करने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के बाहर की पार्किंग का ठेका हाल ही में समाप्त हो गया है। नियमानुसार ठेका समाप्त होने से पहले ही नए ठेके की प्रक्रिया शुरू हो जानी चाहिए थी,ताकि यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इस ओर ध्यान नहीं दिया गया,और अब आलम यह है कि स्टेशन परिसर के बाहर वाहनों की लंबी कतारें और अव्यवस्थित पार्किंग का बोलबाला है। वाहन चालकों को अब अपनी गाड़ियां सुरक्षित खड़ी करने के लिए कोई निश्चित जगह नहीं मिल रही है। मजबूरी में लोग जहां-तहां अपने वाहन पार्क कर रहे हैं,जिससे न सिर्फ यातायात बाधित हो रहा है बल्कि वाहनों की चोरी और नुकसान का खतरा भी बढ़ गया है। स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने आने वाले यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वे अपनी गाड़ी कहां छोड़ें,और इस अनिश्चितता के कारण कई बार उनकी ट्रेन भी छूटने का डर बना रहता है। स्थानीय निवासियों और यात्रियों का कहना है कि रेलवे प्रशासन को इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। एक यात्री ने बताया,पहले पार्किंग की व्यवस्था थी तो कम से कम यह तसल्ली रहती थी कि गाड़ी सुरक्षित है और निर्धारित शुल्क देकर हम निश्चित होकर यात्रा कर सकते थे। अब तो गाड़ी छोड़कर जाते हुए भी डर लगता है कि कहीं चोरी न हो जाए या कोई नुकसान न हो जाए। पार्किंग की अव्यवस्था के कारण स्टेशन परिसर के आसपास अक्सर जाम की स्थिति भी बन रही है, जिससे यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने में भी अधिक समय लग रहा है। यह स्थिति न केवल यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन रही है, बल्कि स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। रेलवे के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि नए ठेके की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही पार्किंग की समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसमें कितना समय लगेगा। जब तक नई व्यवस्था लागू नहीं होती,तब तक सतना रेलवे स्टेशन पर वाहन पार्किंग की समस्या जस की तस बनी रहेगी, और वाहन चालक अपनी गाड़ियों को 'भगवान भरोसे' ही छोड़ने को मजबूर रहेंगे। प्रशासन को चाहिए कि वह इस मामले में तेजी से कदम उठाए ताकि यात्रियों को हो रही परेशानी दूर हो सके और स्टेशन पर सुचारू व्यवस्था बहाल हो सके।

रोज हो रही है गाड़ियां चोरी

जीआरपी चौकी के प्रभारी राजेश राज ने बताया कि प्रतिदिन गाड़ियों की चोरी होने की रिपोर्ट आ रही है। उन्होंने बताया कि पार्किंग का ठेका खत्म होने की वजह से स्थिति अनियंत्रित हो गई है जिसके बारे में वरिष्ठ अधिकारियों से पत्राचार भी किया गया है।

स्टेशन मास्टर ने अधिकारियों को कराया अवगत

स्टेशन मास्टर अब्दुल मतीन ने बताया कि ठेका खत्म होने के बाद ठेकेदार गाड़ियां छोड़कर चला गया है। उनकी सुरक्षा में अभी कोई भी तैनात नहीं है। बिजली भी गुल है। इस मामले में लगातार अधिकारियों को अवगत कराया जा रहा है।

इनका कहना है

मुझे जानकारी नहीं, अधिकारियों से बात करता हूं: सांसद गणेश सिंह ने कहा कि रेलवे स्टेशन में पार्किंग का ठेका खत्म होने की जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जल्दी अधिकारियों से बात करूंगा।

गणेश सिंह सांसद

आरटीओ में कर्मचारियों का टोटा, निजी हाथों में कामकाज की कमान, पारदर्शिता पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज, सतना।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) इस समय कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है, जिसके चलते कार्यालय का अधिकांश कामकाज निजीव्यक्तियों और आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों द्वारा संभाला जा रहा है। यह स्थिति न केवल सरकारी नियमों का उल्लंघन है,बल्कि कार्यालय की पारदर्शिता और कार्य कुशलता पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। जानकारी के अनुसार,सतना आरटीओ कार्यालय में स्वीकृत पदों की तुलना में आधे से भी कम कर्मचारी कार्यरत हैं। ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने,वाहनों के पंजीकरण,और कर वसूली जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों या अनौपचारिक रूप से रखे गए निजी व्यक्तियों के भरोसे चल रहे हैं। कार्यालय के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि कर्मचारियों की कमी के कारण दैनिक कार्यों को निपटाना बेहद मुश्किल हो गया है। फाइलों को निपटाने,आवेदनों को स्वीकार करने और अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए निजी व्यक्तियों पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। इन निजी कर्मचारियों का न तो कोई तय वेतन है और न ही उनकी जवाबदेही स्पष्ट है,जिससे मनमानी और भ्रष्टाचार की आशंका बढ़ गई है। इस अव्यवस्था से आम जनता को भी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवेदकों को अक्सर सही जानकारी नहीं मिल पाती है या उन्हें अनावश्यक देरी झेलनी पड़ती है। एजेंटों और निजी व्यक्तियों की सक्रियता से भ्रष्टाचार की संभावना और प्रबल हो गई है। यहां पर काम करने वाले लोग कर्मचारियों की कमी को स्वीकार करते हुए बताते हैं कि इस संबंध में उच्च अधिकारियों को सूचित किया जा चुका है और नई नियुक्तियों की प्रक्रिया अभी लंबित है।उन्होंने कहा कि जब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकलता,तब तक कार्यालय का कामकाज सुचारू रूप से चलाने के लिए मौजूदा व्यवस्था पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है। नागरिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने सरकार से इस महत्वपूर्ण कार्यालय में तत्काल प्रभाव से कर्मचारियों की नियुक्ति करने की मांग की है,ताकि सतना आरटीओ की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जा सके और जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

फायरिंग और मारपीट के मुख्य आरोपी सहित दो गिरफ्तार, जेल भेजे गए

सतना। पुलिस ने कैलाश पयासी की दुकान पर हुई फायरिंग और मारपीट की घटना के मुख्य आरोपी अंशुमान सिंह उर्फ अंशू कछवाह और उसे पनाह देने वाले धीरू उर्फ धीरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के मार्गदर्शन में की गई। घटना 1 जुलाई को शाम 5 बजे महदेवा रोड धवारी स्थित कैलाश पयासी की दुकान पर हुई थी,जहां दीपू उर्मलिया, शुभम पंडित और कुछ अन्य लोगों ने विवेक प्रताप सिंह,प्रशांत चौधरी और नीरज तिवारी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की और रॉड व डंडे से मारपीट की। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 296, 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच में तेजी लाते हुए मुखबिरों और साइबर सेल की मदद से 2 जुलाई को पहले ही जतिन तिवारी को गिरफ्तार कर लिया था। अब 7 जुलाई को फरार चल रहे मुख्य आरोपी अंशुमान सिंह उर्फ अंशू कछवाह 24 वर्ष निवासी बंजरहा तलाब,उमरी) और उसे अपने घर में छिपाने वाले धीरू उर्फ धीरेन्द सिंह 28 वर्ष निवासी कुम्हरा,सेमरिया,रीवा को गिरफ्तार किया गया। अंशुमान के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया एक डंडा भी बरामद हुआ है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले के अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मैहर में स्नेक रेस्क्यू में माहिर गफ्फार भाई ने बचाई जान

मैहर। बारिश का मौसम आते ही मैहर में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं,ऐसे में सर्प मित्र गफ्फार भाई मैहर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जुलाई महीने में ही उन्होंने सफलतापूर्वक 10 से 15 जहरीले सांपों को रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा है। आज ही महाराज नगर के एक घर में घुसे करीब 10 फुट के एक खतरनाक सांप का भी उन्होंने सफल रेस्क्यू किया और उसे जंगल में छोड़ दिया। गफ्फार भाई की यह सराहनीय पहल लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है,क्योंकि वे निडरता से सांपों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ते हैं,जिससे इंसानों और सांपों दोनों की जान बचती है।

मौसम ने बदला मिजाज: कड़ी धूप के कारण उमस बढ़ी

रिभूमि न्यूज, सतना।

सोमवार और आने वाले दिनों का मौसम पूर्वानुमान सतना में आज का मौसम आमतौर पर गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है। आसमान में कहीं-कहीं हल्के बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन बारिश की उम्मीद कम है। दिन का अधिकतम तापमान 35.38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 27.30 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। हवा में नमी का स्तर अधिक होने के कारण उमस महसूस होगी,जिससे गर्मी का प्रभाव और बढ़ सकता है। आने वाले कुछ दिनों में भी सतना में मौसम का मिजाज ऐसा ही बने रहने की उम्मीद है। अगले एक सप्ताह तक तापमान में कोई खास बदलाव नहीं देखा जाएगा और गर्मी तथा उमस बनी रहेगी। हालांकि, इस दौरान इक्का-दुक्का स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता,लेकिन यह गर्मी से कोई खास राहत नहीं देगी।

जिले में अब तक 232.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

जिले में इस वर्ष 1 जून से 7 जुलाई तक 232.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 386.5 मि.मी.,सोहावल(रघुराजनगर) में 177 मि.मी.,बरौंधा (मझगवां) में 197.5 मि.मी, बिरसिंहपुर में 101 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 189.4 मि.मी., नागौद में 365.7 मि.मी., जसो (नागौद) में 87.2 मि.मी. एवं उचेहरा में 355.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 128.1 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

मैहर जिले में अब तक 238.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से 7 जुलाई तक 238.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में 222 मि.मी., मैहर में 201.4 मि.मी. एवं रामनगर में 292.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 919.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 173.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

कोटवार संघ ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मैहर।

जिले के दाहिया दहायत कोटवार संघ ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार मैहर को 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन नायब तहसीलदार प्रेम लाल चौधरी ने प्राप्त किया। संघ की प्रमुख मांगों में मध्य प्रदेश के सभी 38,000 कोटवारों को स्थायी करना,कोटवार पंचायत 2007 की घोषणा के अनुसार मालगुजार भूमि का स्वामित्व प्रदान करना और सेवा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना शामिल है। इसके अतिरिक्त, कोटवारों की वर्दी का पैसा सीधे उनके खातों में भेजने की मांग भी की गई। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं,तो वे 15 अगस्त के बाद भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करने जाएंगे। इस दौरान गोकर्ण दहायत,रामजस दाहिया सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

नाबालिग चचेरे भाई-बहन का शव मिला, हत्या की आशंका

सतना। जिले में दो नाबालिग चचेरे भाई-बहन के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। दोनों बच्चों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में एक खेत से बरामद किए गए हैं,जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,घटना जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान 10 वर्षीय लड़के और 8 वर्षीय लड़की के रूप में हुई है,जो आपस में चचेरे भाई-बहन थे। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चे कल शाम से लापता थे और परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। सोमवार सुबह कुछ ग्रामीणों ने खेत में दोनों बच्चों के शव देखे,जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच में बच्चों के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं,जिससे पुलिस हत्या की आशंका जता रही है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

खबर संक्षेप

पवई के पिपरिया दौन दलित महिला सरपंच ने पंचायत सचिव की कार्य प्रणाली से तंग आकर सौंपा सीईओ जनपद अध्यक्ष को ज्ञापन

पन्ना। जनपद पंचायत पवई की ग्राम पंचायत पिपरिया दौन की दलित महिला सरपंच ममता बाई चौधरी पति मनोज कुमार चौधरी सहित सैकड़ो ग्रामीण सोमवार को जनपद कार्यालय पवई पहुंचे,जहां उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश उपाध्याय एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। जिस ज्ञापन में लेख किया है कि सचिव चंद्रभान सिंह राजपूत के द्वारा महिला सरपंच को अपशब्द कहे जाते हैं तथा उसे पंचायत का कार्य करने नहीं दिया जाता,इसके साथ ही सरपंच महिला से यह कहा जाता है कि जिले में पैसे देकर आया है,पंचायत वह चलाएगा, इसके अलावा गल्ला पर्ची बनवाने,पीएम आवास के लिए भी सचिव के द्वारा पांच-पांच हजार रुपए की रिश्वत मांगी जाती है। तथा मानसिक रूप से प्रताड़ति करता है। इस दौरान जनपद अध्यक्ष भी दलित महिला के साथ नजर आई और उन्होंने सचिव के खिलाफ सात दिवस के अंदर कार्यवाही न होने पर जिले में धरने की बात कही साथ उन्होंने सचिव के खिलाफ राज्य महिला आयोग एवं अनुसूचित जाति आयोग को भी पत्र लिखे जाने की बात कही और जिला कलेक्टर से सचिव के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ उसके नियुक्ति को विधि विरुद्ध बताते हुए अन्यत्र स्थानांतरण की मांग की है।

पवई तहसील के समस्त कोटवारों ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पन्ना। पवई तहसील के समस्त कोटवारों ने प्रदेश कोटवार संघ के आवाहन पर अपनी ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नायब तहसीलदार शिवम् गौतम को ज्ञापन सौंपा। सोमवार को सभी कोटवार इकट्ठा होकर तहसील कार्यालय पहुंचे और शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ज्ञापन दिया। जिस ज्ञापन में लेख किया गया है की शासन द्वारा जो वर्दी मुहैया कराई जा रही है,वह घटिया किस्म की है, उन्हें वर्दी न देकर राशि को उनके खाते मंक भेजा जाए,साथ ही हर वर्ष 500 रूपये वेतन वृद्धि की जाए एवं कोटवारों के रिटायर होने पर जो एक लाख की राशि की घोषणा की गई थी उसको पूरा किया जाए,इसी तरह अन्य मांगों का लेख ज्ञापन में किया गया है। उन्होंने कहा है कि यदि मांगे पूरी नहीं होती तो वह 15 दिवस के भीतर पूरे मध्य प्रदेश के कोटवार भोपाल में पहुंचकर तिरंगा लेकर आंदोलन करेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष बृजेंद्र दहायत एवं सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के कोटवार मौजूद रहे।

इनका कहना हैं

हमको घटिया क्वालिटी कि वर्दी दी जाती हैं। उसके बदले पहले कि भांति खाते मे पैसा दिया जाये। प्रत्येक वर्ष 500 का इनक्रीमेंट लगा था वाह भी नहीं दिया जाता हैं. रिटायर मेन्ट के समय 1 लाख दिए जाने कि घोषणा हुई थी वाह भी पूरा नहीं किया जा रहा हैं।

बृजेंद्र दहायत ब्लॉक अध्यक्ष कोटवार संघ

गो सेवकों ने सैकड़ों गोवंश को गौशाला से किया आजाद

पन्ना। बिन भोजन और पानी के सप्ताह भर से गौशाला में कैद सैकड़ों गोवंश को आज 7 जुलाई 2025 को शाम लगभग 6 बजे गौ सेवकों के द्वारा जय श्रीराम का जयकारा लगाते हुए गौशाला का ताला तोड़कर गोवंश को आजाद करवा दिया गया है। इस दौरान गौशाला संचालक भी उपस्थित रहे जिनके द्वारा बताया गया है की गौशाला में केवल आधा सैकड़ा गौवंश की व्यवस्था है लेकिन नगर पालिका के कुछ अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा पूरे शहर में हांका लगवा कर सैकड़ों गोवंश को गौशाला में भेज दिया गया है जहां न ही उनके बारिश से बचने के लिए कोई व्यवस्था है और ना ही बैठने के लिए सूखी जगह है और ना ही भोजन की व्यवस्था है जिसके कारण बरसात में भीगते हुए गोवंश कीचड़ में खड़ा रहता है और भोजन इत्यादि नहीं मिलने से बीमार होकर बेमौत मर रहा है। आज 7 जुलाई 2025 को शाम लगभग 6 बजे काफी संख्या में नगर के गौसेवकों ने गौशाला पहुंचकर ताला तोड़कर गोवंश को आजाद करवा दिया ताकि वह जंगल में भोजन पानी प्राप्त कर सके गौसेवकों ने बताया कि उनके द्वारा कई बार नगर पालिका और कलेक्ट्रेट के अधिकारियों को आवेदन और ज्ञापन सौंपा गया है लेकिन ना ही गौवंश के भोजन की व्यवस्था की गई और ना ही उनकी सुरक्षा के कोई उपाय किए गए जिससे उन्हें इस प्रकार का कदम उठाना पड़ा।

विचाराधीन कैदी हरीराम चौधरी के उपचार को लेकर जेल प्रशासन पर एसडीएम के सामने पैसे लेकर का आरोप

पवई उप जेल के विचाराधीन कैदी की मौत से सिस्टम पर सवाल

पन्ना। जिले में कानून व्यवस्था के जिम्मेदारों के द्वारा जहां अपनी-अपनी जिम्मेदारी निर्वाहन करने के लिये सरकार ने संवेदनशीलता के साथ मापदण्ड तय किये है आखिर हरीराम चौधरी विचाराधीन कैदी की मौत को लेकर जहां एक बार फिर सवाल खड़े हो चुके है आखिर हरीराम चौधरी पर शिकार का आरोप वहीं जंगल विभाग के द्वारा पूंछतांछ के बाद क्या हरीराम चौधरी का मेडिकल कराया गया होगा, वहीं माननीय न्यायालय में भी पेश किया गया होगा तदोपरांत पवई उप जेल पहुंचाया गया आखिर जेल में भी डॉ0 की जिम्मेदारी के निर्वाहन की कैदियों के उपचार को लेकर क्या समय पर मिला उपचार? जिला चिकित्सालय पन्ना में पीएम रिपोर्ट के खुलासे में आयेगा क्या सबकी नजर आखिर सिस्टम से पर एक बार फिर सवाल जेल प्रशासन पवई उप जेल में ऑनलाईन पैसे की मांग के ट्रांसजेक्शन का आरोप एसडीएम पवई के सामने जो परिजनों ने लगाये क्या उसकी जांच कराई जायेगी आखिर जिम्मेदारों के द्वारा कानून का पालन कराये जाने में कहां चूंक इस पर कहीं न कहीं सवाल प्रश्न बनकर मांग रहे जवाब जिले की पवई उप जेल में जहां विचाराधीन कैदी हरीराम चौधरी की मौत जो विगत दिवस सिस्टम पर सवाल खड़े हो चुके है हरीराम चौधरी शिकार के आरोप में जहां मोहन्द्रा रेंज में धरा गया था उसके बाद पूंछतांछ में कितने समय तक रखा गया वहीं डॉ0 से मेडिकल कराया गया होगा तभी तो माननीय न्यायालय में पेश किया गया साथ

ही पवई उप जेल में हरीराम चौधरी कितने दिन तक रहा उसके हालात को लेर क्या जेल में चिकित्सक के द्वारा उपचार की सुविधा प्रदान कराई गई या कि हरीराम चौधरी को उपचार प्रदान कराने में लापरवाही बरती गई। कई सवाल अपने आप अब प्रश्न बन चुके है क्योंकि जहां सरकार नियमों व मापदण्डों के तहत संवेदनशीलता के साथ सभी की जिम्मेदारी विभागों के नियमानुसार तय कर दी गई है आरोप सिद्ध होने तक निश्चिततौर पर जेल प्रशासन के अंडर में कैदियों को रखा जाता है पर जेल प्रबंधन में जिस तरह से पवई एसडीएम के सामने सोशल मीडिया में आरोप जो सामने आये है जेल प्रशासन को लेकर जो आरोप लगे है ऑनलाईन ट्रांजेक्शन पैसे की मांग को लेकर जो सिस्टम को लेकर सीधा आरोप चर्चा में है आखिर क्या इसकी जांच कराई जायेगी। साथ ही जिस तरह से आरोप वन अमले पर लगाये गये है दक्षिण वन मण्डल अंर्तगत मोहन्द्रा रेंज में कितने

समय तक पूंछतांछ के दौरान हरीराम चौधरी को रखा गया। वहीं सवाल नं0 - 02 किस चिकित्सक के द्वारा मेडिकल किया गया तदोपरांत जिसके बाद माननीय न्यायालय में पेश किया गया। आखिर उस मेडिकल रिपोर्ट में क्या तथ्य सामने आये थे आखिर कितनी चोट कैसी चोट अपने आप में कई सवाल वहीं जेल प्रबंधन ने संबंधित विचाराधीन कैदी को उपचार प्रदान करने में जिम्मेदारी का निर्वाहन कितना बरता गया। इतना ही नहीं विचाराधीन कैदी की मौत के बाद पीएम रिपोर्ट अब क्या आयेगी जिससे कहीं न कहीं स्पष्ट तौर पर पर्दाफास होगा कैसे हुई मौत कितन कारणों को चिकित्सक सामने लायेंगे यह तो अब मौत के बाद की दास्तां पर हरीराम चौधरी की मौत के पीछे का कारण अहम क्या इस पर सिस्टम पर सवाल खड़े है आखिर किसकी चूक कहां लापरवाही सवालों के घेरे में सिस्टम के जिम्मेदार। इस मामले को लेकर उप जेल पवई के जेलर मुनेन्द्र प्रताप मिश्रा से बात की गई तो आपका कहना है कि आखिर ऑनलाईन ट्रांजेक्शन के आरोप को लेकर क्या जांच कराई जा रही है ताकि सच्चाई सामने आये। जवाब में श्री मिश्रा ने बताया निश्चितौर पर इस बिन्दु को लेकर जांच कराई जा रही है वहीं मृतक विचाराधीन कैदी हरीराम चौधरी की मौत को लेकर आखिरकार किस तरह की चोट जेल के चिकित्सक के द्वारा मानी गई जिसको लेकर जिला चिकित्सालय भेजा गया। जहां घुटने का दर्द को लेकर उपचार के लिये जिला चिकित्सालय लाया गया था इसको लेकर जहां मौत की दास्तां जो सामने आई है स्वयं जेलर भी स्तब्ध है अब यह तो पीएम रिपोर्ट के बाद ही सामने आयेगा। जब जेल में आया था तब भी चोटों को लकर निश्चिततौर पर पड़ताल होती है जो ऊपरी चोट को लेकर कहीं न कहीं प्रक्रिया में कुछ खास नहीं बताया गया चोटों को लेकर आखिर जिला चिकित्सालय में मौत किन कारणों से विचाराधीन कैदी की हुई। यह तो पीएम रिपोर्ट के बाद आयेगा सामने फिलहाल चर्चा का विषय सिस्टम की संवेदनशीलता को लेकर कहां चूक क्या होगा गौर ताकि इस तरह के हालात किसी अन्य के साथ न हो तय। वहीं मृतक हरीराम चौधरी विचाराधीन कैदी पर आरोप के बाद जब मेडिकल रिपोर्ट वन अमले के द्वारा संबंधित चिकित्सक के द्वारा जो कराई गई उसमें सूत्रों की मानें तो एक पुराना घाव वहीं एक खरोंच घुटने के पास बताई गई। अब इसके बाद घुटने के दर्द को लेकर वहीं जिला चिकित्सालय में उपचार तथा मौत का कारण क्या कोई और वजह यह तो पीएम रिपोर्ट में संबंधित चिकित्सक के द्वारा ही सामने लाया जायेगा जिसका है इंतजार मौत का कारण क्या।

जंगल में मिला सप्ताह भर पुराना शव, दोनों हाथ पीछे एवं गर्दन पेड़ से बंधी होने से हत्या की आशंका

देवेंद्रनगर थाना अंतर्गत कारी झोर नाला विक्रमपुर जंगल सेंचुरी के सामने की घटना

पन्ना। जिले के देवेंद्रनगर थाना अंतर्गत विक्रमपुर जंगल सेंचुरी के सामने कारी झोर नाला के पास लगभग सप्ताह भर पुराना अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में हडकंप मच गया है। मृतक के दोनों हाथ पीछे की तरफ बंधे होने एवं गर्दन पेड़ से बंधी होने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष आंकी जा रही है जिसने काले रंग का जींस का पैंट एवं फुल शर्ट पहन रखी है। शव लगभग सप्ताह भर पुराना होने से मृतक की पहचान करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। देवेंद्रनगर थाना पुलिस के द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से मृतक की पहचान की अपील की गई है इसके अलावा सोशल मीडिया में फोटो शेयर करके भी लोगों से पहचान की अपील की गई है। मृतक को इस प्रकार बेरहमी से दोनों हाथ पीछे की तरफ बांधकर एवं गर्दन पेड़ से बांधकर किसके द्वारा और क्यों मारा गया या फिर कहीं और मारकर यहां फेंका गया इसका खुलासा तो शव की शिनाख्त, पीएम और पुलिस विवेचना के बाद ही हो सकेगा, फिलहाल पुलिस के द्वारा मृतक की पहचान करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

सड़क में खड़े जेके सीमेंट के ट्राला में पीछे से टकराई एम्बुलेंस, गर्भवती महिला की दर्दनाक मौत, 6 घायल

अमानगंज। पन्ना-कटनी रोड स्टेट हाईवे में अमानगंज थाना अंतर्गत ग्राम पिपरवाह पेट्रोल पंप के पास सड़क में खड़े जेके सीमेंट के ट्राला में पीछे से एंबुलेंस टकराने से एंबुलेंस में सवार गर्भवती महिला की दर्दनाक मौत हो गई है एवं 6 लोग घायल हो गए हैं। घटना के संबंध में बताया गया है कि बीती 6-7 जुलाई 2025 की रात लगभग 11.30 बजे प्रियंका प्रजापति पति विनोद प्रजापति उम्र लगभग 24 वर्ष निवासी ग्राम पडवार थाना सिमरिया को प्रसव पीड़ा होने पर 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पन्ना लाया जा रहा था। जैसे ही अमानगंज के आगे ग्राम पिपरवाह नाला पुल के पास पहुंचे जहाँ पेट्रोल पंप के पास सड़क में खड़े जेके सीमेंट के ट्राला में एंबुलेंस पीछे से टकरा गई। इसमें गर्भवती महिला प्रियंका पटेल सहित विनोद प्रजापति उम्र 24 वर्ष, ममता प्रजापति उम्र 40 वर्ष, सोमवती प्रजापति उम्र 45 वर्ष, गला प्रजापति उम्र 40 वर्ष, चमेली बाई उम्र 40 वर्ष एवं साथ में आशा कार्यकर्ता घायल हो गए। एम्बुलेंस के चालक ने तत्काल फोन कर दूसरी एंबुलेंस मंगवाई जिससे सभी घायलों को जिला अस्पताल पन्ना लाया गया जहां डॉक्टर ने प्रियंका एवं उसके गर्भ में पल रहे शिशु को मृत घोषित कर दिया जिससे परिवार में मातम छा गया है। पुलिस ने पंचनामा उपरांत मृतिका का शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सोपा एवं घायलों का जिला अस्पताल पन्ना में इलाज किया जा रहा है। लोगों ने बताया कि पन्ना-कटनी रोड स्टेट हाईवे सहित नेशनल हाईवे 39 पन्ना-सतना-छतरपुर रोड एवं जिले की अधिकांश सड़कों में जेके सीमेंट के भारी भरकम वाहनों का कब्जा रहता है। जिससे अन्य वाहनों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिले की सडकों में प्रतिदिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है एवं लगातार दर्दनाक हादसे हो रहे हैं।

पवई में स्मार्ट मीटर बना उपभोक्ताओं के लिए मुसीबत, लाखों यूनिट रीडिंग उगल रहे नये मीटर

रीडिंग में गड़बड़ी से उपभोक्ता परेशान, बिजली विभाग पर उठे सवाल

पवई। पवई नगर के बिजली उपभोक्ताओं के लिए इन दिनों स्मार्ट मीटर भारी मुसीबत बनते नजर आ रहे हैं। बिजली विभाग द्वारा बीते माह से नगर में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है, जिसे लेकर शुरू से ही उपभोक्ताओं में संशय और डर था कि कहीं इन मीटरों से बिजली बिल अनाप-शनाप न आने लगे। हालांकि, बिजली विभाग के अधिकारी सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लोगों को लगातार यह आश्वस्त करते रहे कि स्मार्ट मीटर से वास्तविक खपत के अनुसार ही बिल आएगा और यह बिजली चोरी रोकने में भी मददगार होगा। इन दावों के भरोसे कुछ उपभोक्ताओं ने अपने घरों में स्मार्ट मीटर लगवा लिए, लेकिन अब उनकी चिंता और डर हकीकत में बदलता दिखाई दे रहा है। माह की समाप्ति पर जब बिजली विभाग द्वारा मीटर रीडिंग ली गई तो कई उपभोक्ताओं के होश उड़ गए। कई स्मार्ट मीटरों में एक माह की रीडिंग लाखों यूनिट में दर्ज पाई गई, गांधी चौक निवासी नरेंद्र सोनी के निवास पर लगा मीटर क्रमांक 1373028373 आराधना सोनी के नाम से है जिनके द्वारा बताया की उनकी मासिक रीडिंग हमारी समझ से परे है 1294625 और 8800835 दिख रही है सही खपत क्या इसको लेकर मै बहुत चिंतित हूं। सूत्रों के अनुसार ऐसे लगभग डेढ़ दर्जन उपभोक्ता हैं, जिनके स्मार्ट मीटर में रीडिंग लाखों यूनिट में दर्ज हुई है। इस पूरे मामले से बिजली उपभोक्ता भयभीत और गुस्से में हैं। लोग पूछ रहे हैं कि जब बिजली की इतनी खपत संभव ही नहीं है, तो फिर यह तकनीकी गड़बड़ी क्यों हो रही है? स्मार्ट मीटर की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। वहीं, अभी तक बिजली विभाग की ओर से इस विषय में कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। उपभोक्ताओं की मांग है कि इस मामले की तुरंत जांच हो और गड़बड़ी सुधारकर उन्हें अनावश्यक आर्थिक बोझ से राहत दी जाए।

इनका कहना है -

मामला अभी मेरे संज्ञान मे आया है स्मार्ट मीटर की टेक्निकल टीम को भेज जांच कराते है'।

'सतीश सैनी कनिष्ठ अभियंता पवई'

टीएल बैठक में ग्राम पंचायत स्तरीय शिविरों में प्रगति लाने के दिए गए निर्देश

शालाओं के इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों में एक वर्ष में व्यय राशि का विवरण प्रस्तुत करें : कलेक्टर

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के अध्ययन एवं मूलभूत सुविधाओं के दृष्टिगत शालाओं में सभी जरूरी व्यवस्थाएं दुरूस्त की जाएं। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों के माध्यम से भी आगे बढ़ने का बेहतर माहौल मिले। सभी शिक्षक एवं संस्था प्रमुख नियमित रूप से छात्र-छात्राओं की उपस्थिति एवं प्रगति की मॉनिटरिंग कर आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन भी प्रदान करें। शैक्षणिक संवर्ग द्वारा दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला कलेक्टर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई टीएल बैठक में यह बात कही। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी को गत एक वर्ष में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विकासखण्डवार एवं शालावार विभिन्न विकास कार्यों एवं इंफ्रास्ट्रक्चर में मदवार व्यय राशि के संबंध में अवगत कराने के निर्देश दिए तथा स्कूल पर व्यय राशि की वास्तविक उपयोगिता के दृष्टिगत प्रति परीक्षण कराने की बात भी कही। साथ ही विद्यालयों में पेयजल के लिए जल जीवन मिशन अंतर्गत पूर्व में हैण्डओवर नल कनेक्शन के निरंतर सही संधारण और इस सुविधा के बेहतर उपयोग के लिए संबंधित शिक्षक की जिम्मेवारी तय करने के लिए भी निर्देशित किया। कलेक्टर श्री कुमार ने बैठक के दौरान गत सप्ताह सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले विभिन्न विभागों के 29 अधिकारियों को पूर्व तैयार नोटिस का वितरण कराया तथा 10 जुलाई तक अपेक्षित प्रगति न होने पर संभागायुक्त को अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव प्रेषित करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी इस सप्ताह अनिवार्य रूप से अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को कर्त्तव्यों के प्रति पाबंद कर शिकायतों का संतोषप्रद निराकरण करना सुनिश्चित करें। साप्ताहिक समयावधि पत्रों एवं जनसुनवाई पत्रों का भी समय सीमा में अपेक्षानुरूप निराकरण किया जाए। न्यायालयीन प्रकरणों में समय सीमा में जवाबदावा दाखिल करें। ग्राम पंचायत स्तरीय शिविरों

में पात्र हितग्राहियों को मिले लाभ टीएल बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आगामी 15 जुलाई तक समस्त ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित समस्त चिन्हांकित पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जाए। इस दौरान गत 15 से 30 जून तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत विभागीय अधिकारियों द्वारा निराकृत एवं पोर्टल पर अग्रेषित आवेदनों के बारे में जानकारी लेकर किन्ही कारणोंवश छूटे लोगों को ग्राम पंचायत स्तरीय शिविर में अनिवार्य रूप से लाभांवित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना में निरंतर रूप से नवीन पंजीयन किया जाए। वनाधिकार के लाभ सहित वित्तीय सेवाओं और बीमा योजना का लाभ भी जरूरतमंद हितग्राही को मिले। सभी जनपद पंचायत सीईओ को शिविरों में आदिवासी समुदाय के व्यक्तियों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ प्रदान करने सहित अनिवार्य रूप से महिलाओं के सिकल सेल परीक्षण के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। टीएल बैठक में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को माहवार लक्ष्य मुताबिक हितग्राहीमूलक प्रकरणों के वितरण तथा अधीनस्थ स्टॉफ को सौंपे गए लक्ष्यानुसार कार्यों की प्रगति का विश्लेषण करने के लिए भी निर्देशित किया गया। साथ ही बैंक स्तर पर किसी भी समस्या पर तत्काल अवगत कराने के निर्देश दिए। समग्र पोर्टल पर ई-केवायसी प्रगति की समीक्षा भी की गई।

निरंतर सुनिश्चित हो ई-ऑफिस का उपयोग

कलेक्टर ने कहा कि जिला मुख्यालय पर संचालित शासकीय विभागों द्वारा ई-ऑफिस के जरिए शासकीय कार्यों का संपादन सुनिश्चित किया जाए। समस्त पत्राचार एवं नस्तियों के ऑनलाइन जनरेशन सहित विभिन्न आवेदनों का प्रेषण भी ई-ऑफिस से हो। अब तक 16 विभागों द्वारा ऑनबोर्ड होने बावत आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विभागों के अधिकारियों सहित लिपिकीय स्टॉफ के तत्काल वांछित जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि अब जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार कार्यालयो में भी ई-ऑफिस के क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। विकासखण्ड व तहसील स्तरीय अन्य शासकीय कार्यालयों में भी यह व्यवस्था शीघ्र शुरू होगी। इस संबंध में राजस्व विभाग के मैदानी अधिकारियों को ई-मेल आईडी क्रिएशन एवं ईएमडी के लिए डाटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को ई-ऑफिस के निरंतर उपयोग की सलाह दी गई। साथ ही चेताया गया कि लंबी अवधि तक ई-ऑफिस लॉग इन नहीं होने पर शासन द्वारा ई-मेल आईडी को लॉक कर दिया जाएगा और इसके पुनः संचालन पर असुविधा हो सकती है। उन्होंने विभाग प्रमुखों को नवीन मैनुअल फाइल के स्थान पर ई-ऑफिस से फाइल क्रिएशन के निर्देश दिए।

संभावित बाढ़ आपदा के दृष्टिगत मुस्तैद रहे अमला

कलेक्टर ने कहा कि वर्षाकाल में किसी भी संभावित बाढ़ आपदा के दृष्टिगत तत्परतापूर्वक आवश्यक राहत बचाव कार्यों के लिए संबंधित विभाग का अमला सदैव मुस्तैद रहे। किसी भी अप्रिय स्थिति पर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सहित राशन एवं दवाओं का वितरण भी समय पर हो। पुल-पुलिया की स्थिति और बांध के जल स्तर की निरंतर निगरानी रखी जाए। स्कूलों में मध्यान्ह भोजन के लिए खाद्यान्न उठाव सहित प्रति माह की 25 तारीख तक पोर्टल पर आवश्यक फीडिंग और 4, 5 एवं 6 तारीख को अन्न उत्सव में अधिकतम हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित हो। जिला कलेक्टर द्वारा राज्य संरक्षित जिले के 13 स्मारकों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए गए।

भक्तों ने की गुरु पूजा, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल

छतरपुर। शहर के गहोई धाम में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में एक भव्य एकदिवसीय आयोजन शनिवार को किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने अपने गुरु के प्रति श्रद्धा और भक्ति अर्पित की। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन हर साल श्रद्धालुओं के बीच आध्यात्मिक उत्साह का केंद्र रहता है। सोमवार को गहोई धाम में आयोजित गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में अयोध्या के श्याम सुंदर महाराज ने अपने शिष्यों और भक्तों को दर्शन दिए। भक्त राजेंद्र नीखरा ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष गुरु पूर्णिमा से पहले किया जाता है, जिसमें तमाम भक्त गुरु पूजन के लिए पहुंचते हैं। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु गहोई धाम पहुंचे और गुरु के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम में भजन, गुरु वंदना और आध्यात्मिक प्रवचन भी हुए, जिससे माहौल दिव्य हो गया।

बृजपुरा के सिद्ध बाबा मंदिर पर हुआ कन्या भोज और जात्रा का आयोजन

परंपरा के तहत गांव की कन्याओं का हुआ पूजन

छतरपुर। जनपद क्षेत्र के ग्राम बृजपुरा में सिद्ध बाबा मंदिर पर सोमवार को हर वर्ष की भांति कन्या भोज और जात्रा का आयोजन किया गया। यह आयोजन गांव की प्राचीन परंपराओं को जीवंत रखने और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बृजपुरा निवासी नरेश रावत ने बताया कि सिद्ध बाबा मंदिर का गांव में विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। गांव के बसने के समय से ही यहां कन्या भोज की परंपरा चली आ रही है। इस वर्ष भी सोमवार को पूरे गांव की कन्याओं को आमंत्रित कर कन्या भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कन्याओं का सम्मान किया गया। इसके साथ ही सिद्ध बाबा स्थान पर जात्रा का आयोजन भी हुआ, जिसमें भक्तों ने पूजा-अर्चना कर सिद्ध बाबा से आशीर्वाद मांगा। यह आयोजन गांव वालों के लिए आस्था और सामुदायिक सहभागिता का प्रतीक है, जो हर साल भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

ब्रम्हज्ञान सत्संग मंडल द्वारा भव्य गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन 10 जुलाई को

छतरपुर

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सद्गुरु भगवान स्वामी ब्रम्हप्रकाश जी महाराज (रतलाम वाले गुरु जी) की कृपा दृष्टि से ब्रम्हज्ञान सत्संग मंडल द्वारा सटई रोड स्थित तिवारी भवन में गुरु पूर्णिमा महोत्सव भव्यता पूर्वक मनाया जा रहा है. जिसमें विभिन्न आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

ब्रह्मज्ञान सत्संग मंडल से प्राप्त जानकारी अनुसार 10 जुलाई, गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह 7 बजे से गुरु पूजन, भजन संध्या और सत्संग का कार्यक्रम प्रारंभ हो जायेगा जो देर शाम तक चलेगा। दोपहर 1 बजे से शाम 7 बजे तक भंडारा, प्रसाद वितरण किया जायेगा। रात 8 बजे सद्गुरु भगवान की आरती के बाद कार्यक्रम का समापन होगा। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर सत्संग मंडल(शिवोहम् परिवार) ने सभी भक्तों को सस्नेह सपरिवार आमंत्रित किया है।

रेत का अवैध खनन करने से रोका तो हुई पिटाई

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम ढड़ारी में सोमवार की सुबह जब एक व्यक्ति ने गांव के ही कुछ लोगों को अवैध खनन से रोका तो उनके द्वारा हमला कर दिया गया। घायल ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई, जिसके बाद उसे मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्राम ढड़ारी निवासी प्रदीप तिवारी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 9 बजे गांव के पांच लोग उसके खेत के बगल से गुजरने वाली नदी में अवैध रूप से रेत निकाल रहे थे। प्रदीप ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर फावड़े से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें निजी वाहन से सिविल लाइन थाने पहुंचाया, जहां उन्होंने अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रदीप का मेडिकल जिला अस्पताल में करवाया और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एक सप्ताह से मौनव्रत धारण किए अनशन पर बैठे हैं पुजारी

मंदिर पर दबंगों के कब्जे का विरोध, मांग पूरी न होने तक करेंगे अनशन

छतरपुर। जिला पंचायत के सामने मेलाग्राउंड में ग्राम बारी के राम लला सरकार मंदिर के पुजारी साधुदास उर्फ वीरेंद्र कुमार ने पिछले मंगलवार को अनशन और मौन व्रत शुरू किया था, जो करीब एक सप्ताह से लगातार जारी है। पुजारी ने छतरपुर एसडीएम और नायब तहसीलदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके द्वारा मंदिर दबंगों के हवाले कर दिया गया है।

पुजारी साधुदास का आरोप है कि एसडीएम अखिल राठौर ने राम लला सरकार मंदिर की बागडोर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को सौंप दी है, जिससे मंदिर की पवित्रता और व्यवस्था प्रभावित हुई है। उनके अनशन की प्रमुख मांगों में आपराधिक लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई, 19 अप्रैल 2025 की स्थिति में मंदिर में उनकी पुर्नस्थापना, उनके खिलाफ दर्ज कथित फर्जी मुकदमों को वापस लेना और एसडीएम अखिल राठौर व नायब तहसीलदार इंदू सिंह को निलंबित करना शामिल है। अनशनकारी पुजारी, मेलाग्राउंड में पंडाल लगाकर अपनी मांगों को लेकर क्रमिक अनशन और मौन व्रत कर रहे हैं।

वृद्ध महिला ने कहा- साजिश के तहत की गई बेटे की हत्या

परिवार के सदस्यों पर लगाया हत्या की साजिश का संदेह

छतरपुर

महाराजपुर थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध मौत के मामले में उसकी मां ने गंभीर आरोप लगाए हैं। सोमवार को एसपी ऑफिस में शिकायत दर्ज कर महिला ने अपने बेटे की हत्या की साजिश में परिवार के ही कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराया और जांच की मांग की।

महाराजपुर के वार्ड नंबर 2 की निवासी मुन्नी बाई ने बताया कि गत 18 जून को उनके पुत्र प्रदीप चौरसिया का शव महाराजपुर की कमल तलैया में मिला था। उनका आरोप है कि कृषि भूमि और बरेजे की जमीन को लेकर प्रदीप का उसकी बुआ साधना चौरसिया और साधना की पुत्री माधुरी चौरसिया के साथ विवाद चल रहा था। इस विवाद को लेकर छतरपुर न्यायालय में प्रकरण भी लंबित है। मुन्नी बाई ने आरोप लगाया कि साधना चौरसिया, उसके पति जयप्रकाश चौरसिया, पुत्र प्रशांत और सचिन तथा पुत्री माधुरी ने प्रदीप के साथ द्वेष भावना रखते हुए कई बार उसे जान से मारने की धमकी दी थी। उनके अनुसार, साधना और माधुरी ने साजिश रचकर जयप्रकाश, प्रशांत और सचिन के माध्यम से प्रदीप को शराब पिलाई, उसके हाथ बांधे और उसे कमल तलैया में फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मुन्नी बाई ने पुलिस से इस मामले की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज की बैठक सम्पन्न

सीताराम सोनी को बनाया कार्यकारी जिलाध्यक्ष

छतरपुर। छतरपुर अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज द्वारा आज शिवांश पैलेस में एक जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें जिले की हर इकाइयों से स्वर्णकार बंधु शामिल हुए। कार्यकम की शुरुवात में जिला स्तरीय पत्रिका बनाने के लिए चर्चा की गई। जिले भर में अविवाहित लड़का लड़कियों की जानकारी एकत्रित करने पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद सोनी का कार्यकाल पूर्ण होने पर पद खाली न रहे इसके लिए सर्व सम्मति से सीताराम सोनी को कार्यकारी जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई। इसके अलावा जिला अध्यक्ष के चुनाव के लिए 05 लोगों की निर्णायक कमेटी बनाई गई जिसको बढ़ाकर 11 किया जाएगा। निर्णायक कमेटी 6 माह के अंदर चुनाव प्रक्रिया कर नए जिलाध्यक्ष का गठन करेगी।

पत्नी की मौत के बाद पति ने अंतिम संस्कार से किया इंकार

मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर लगाए लापरवाही के आरोप

छतरपुर

पिछले करीब 8 दिनों से जिला अस्पताल में भर्ती एक महिला ने सोमवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिसके बाद उसके पति की असंवेदनशीलता उजागर हुई। मृत महिला के पिता ने बताया कि बेटी के पति ने तो इलाज में सहयोग किया और न ही मृत्यु के बाद उसका अंतिम संस्कार करने को तैयार है।

वार्ड क्रमांक 8 छतरपुर के निवासी भारत अहिरवार ने बताया कि उनकी पुत्री प्रियंका अहिरवार उम्र 25 वर्ष की शादी करीब पांच साल पहले बड़ामलहरा निवासी नरेंद्र अहिरवार से हुई थी। प्रियंका पिछले करीब पिछले डेढ़ साल से बीमार थी, जिसके चलते ससुराल वालों ने उसे मायके में छोड़ दिया था। लगभग आठ दिन पहले प्रियंका की हालत बिगडऩे पर वे उसे जिला अस्पताल लाए थे, जहां आईसीयू वार्ड में उसका इलाज चल रहा था। सोमवार को इलाज के दौरान प्रियंका की मृत्यु हो गई। भारत अहिरवार के मुताबिक प्रियंका की गंभीर हालत के बावजूद ससुराल पक्ष से कोई भी उसे देखने या इलाज के लिए नहीं आया। इतना ही नहीं प्रियंका की मृत्यु के बाद उन्होंने पति नरेंद्र से अंतिम संस्कार करने का आग्रह किया लेकिन नरेंद्र ने अंतिम संस्कार करने से भी साफ इनकार कर दिया। मायके वालों की मांग है कि प्रियंका का अंतिम संस्कार उसका पति ही करे, लेकिन नरेंद्र, उनका आग्रह स्वीकार नहीं कर रहा है।

सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के तहत सफाई मित्रों की कार्यशाला संपन्न

छतरपुर। नगरपालिका छतरपुर द्वारा सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत 1 जुलाई से 31 जुलाई तक स्वच्छता जागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में प्रताप सागर तालाब स्थित नगर पालिका की स्वच्छता अभियान टीम ने सफाई मित्रों की कार्यशाला आयोजित हुई। यह अभियान नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया एवं सीएमओ माधुरी शर्मा के निर्देश पर स्वच्छता नोडल अधिकारी नीतेश चौरसिया के नेतृत्व में नगरपालिका की स्वच्छता अभियान टीम ने सफाई मित्रों की कार्यशाला का आयोजन किया गया एवं हाथ धुलने की विधि समझाई गई एवं स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए अपने आसपास घरों एवं शौचालय को साफ स्वच्छ बनाये रखने की समझाइश दी गई। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में सही ढंग से सफाई करने को कहा गया कहीं पानी भरा न रहने दे अच्छी तरह से हर जगह साफ करें एवं वार्डो में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी करे।

जीर्णशीर्ण भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करें: कलेक्टर

राशन हितग्राही राशन दुकान पर जाकर ई-केवायसी कराएं

सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में लापरवाही पर कई अधिकारियों को शोकॉज

छतरपुर।

कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक संपन्न हुई। बैठक में एडीएम मिलिंद नागदेवे, सहायक कलेक्टर आशीष पाटिल, संयुक्त कलेक्टर बलवीर रमन, डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम एवं निकायों के सीएमओ और जनपदों के सीईओ सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैसवाल ने हिट एंड रन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि शीघ्र संबंधित थानों से खातमा रिपोर्ट लगवाकर राहत राशि स्वीकृत करें जिससे प्रकरणों का जल्द भुगतान हो।

कलेक्टर ने जून माह की सीएम हेल्पलाइन की 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा की। जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की खराब ग्रेडिंग एवं लंबित शिकायतों में सीएमएचओ को सुधार लाने के स्पष्ट निर्देश दिए अन्यथा कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कृषि विभाग की सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायत में एसडीओ राजनगर की नॉन अटेंडेंड शिकायत होने पर 1 दिन की वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की लंबित शिकायतों में सुधार लाने के लिए सभी सीईओ को निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में महिला बाल विकास विभाग की लंबित शिकायतों के संबंध में जानकारी ना दे पाने पर एपीओ की एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग की सीएम -

हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए तहसीलदार घुवारा एवं बिजावर को शोकॉज जारी करने के निर्देश दिए और रैंकिंग में सुधार के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा सुधार नहीं होने पर वेतन वृद्धि रोकी जाएगी। इसके अलावा बैठक में बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर सीएमओ हरपालपुर की 1 दिन की वेतन राजसात करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री जैसवाल ने जीर्णशीर्ण भवनों में डीपीसी, डब्ल्यूसीडी एवं पीडब्ल्यूडी विभाग को ध्वस्त योग्य भवनों के शीघ्र अप्रूव कराकर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के लिए भेजने के निर्देश दिए। निकायों के सीएमओ को भी चिन्हित जीर्णशीर्ण भवनों के मरम्मत एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी जीर्णशीर्ण भवन ना होने के प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें ,इसके बाद भी यदि कोई दुर्घटना होती है तो स्वयं जिम्मेदार होंगे।

सभी फाइलें ई ऑफिस के माध्यम से ही भेजने के निर्देश -

ई ऑफिस प्रणाली की समीक्षा में कलेक्टर ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी कोई भी फिजिकल फाइल नहीं भेजेगा। सभी सामान्य प्रकार की फ़ाइल ई ऑफिस पर ही भेजें, साथ ही जीर्णशीर्ण भवनों की सभी फाइल भी ई ऑफिस पर ही भेजें।

कलेक्टर ने सागर कबरई एनएच 34 प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए एसडीएम बड़ामलहरा, बिजावर, महाराजपुर एवं छतरपुर को अंश निर्धारण बढ़ाने और जल्द भुगतान कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने केन बेतवा प्रोजेक्ट में बिजावर अनुभाग में परिसंपत्तियों के पारित अवॉर्ड की राशि में भुगतान बढ़ाने के एसडीएम को निर्देश दिए।

सीईओ और सीएमओ को डुप्लीकेट समग्र के डिलीशन के निर्देश -

कलेक्टर ने आधार से समग्र ई केवाईसी की समीक्षा करते हुए जनपद सीईओ एवं सीएमओ को एक आधार में दो या अधिक लंबित समग्र लिंक होने पर डिलीशन किए जाने के निर्देश दिए। राशन पोर्टल पर पंजीकृत समग्र ई केवाईसी में सभी सीईओ एवं सीएमओ को बिना केवाईसी वाले व्यक्ति की राशन दुकान पर ही ई केवाईसी कराएं।

सभी एसडीएम कैंप के आदेश निकालकर जिनकी ई केवाईसी नहीं हुई उनकी ई केवाईसी कराएं। जनपद गौरिहार में राशन वितरण कम होने पर जेएसओ के कार्य संबंधित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राशन वितरण शतप्रतिशत हो लापरवाही क्षम्य नही होगी।

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर 10 जुलाई को होगा प्रदर्शन

ओबीसी महासभा ने की प्रेसवार्ता, सरकार पर छलावे का आरोप

छतरपुर।

ओबीसी महासभा द्वारा सोमवार को सर्किट हाउस में एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई, जिसमें आगामी 10 जुलाई को ओबीसी वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर बड़े स्तर पर प्रदर्शन की घोषणा की गई।

महासभा के संभागीय प्रभारी गया प्रसाद पटेल ने बताया कि ओबीसी समाज को उनका संवैधानिक हक नहीं मिल रहा है और सरकार के द्वारा लगातार छलावा किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक ओबीसी समाज को पूरा 27 प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। प्रेसवार्ता में पूर्व विधायक आर.डी. प्रजापति, कृष्ण कुमार पटेल सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने एकमत होकर कहा कि यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा और समाज के प्रत्येक वर्ग को इसमें सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया है।

बीएमएस परिचय वर्ग में श्रमिकों के सर्वांगीण विकास की विचारधारा को मिली सराहना

छतरपुर। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) जिला इकाई छतरपुर द्वारा एक दिवसीय परिचय वर्ग का आयोजन 6 जुलाई को किया गया, जिसमें बीएमएस एवं उससे सम्बद्ध संगठनों के जिला पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बीएमएस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बुंदेला ने बताया कि बीएमएस के संस्थापक श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी ने संगठन की कार्यपद्धति, गीत, नारे, उत्सव एवं पंच परिवर्तन के माध्यम से श्रमिकों के सर्वांगीण विकास की जो विचारधारा प्रस्तुत की है, वह राष्ट्रहित, उद्योग हित एवं श्रमिक हित की त्रिसूत्रीय भावना पर आधारित है। इसी विचारधारा से सभी कार्यकर्ताओं को परिचित कराने के उद्देश्य से यह परिचय वर्ग आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ बीएमएस जिला मंत्री डॉ. राजेन्द्र सिंह के संचालन में मुख्य अतिथि अशोक प्रताप सिंह (प्रदेश अध्यक्ष, कृषि ग्रामीण मजदूर संघ), मुख्य वक्ता हरेन्द्र सिंह चंदेल (प्रदेश उपाध्यक्ष, बीएमएस) एवं कार्यक्रम अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बुंदेला द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता, भगवान विश्वकर्मा व दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पण कर किया गया। इस दौरान मंचासीन अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र भेंटकर किया गया। बीएमएस गीत मानवता के लिए उषा की किरण जगाने वाले हम... का मधुर गायन सुरेखा चौरसिया एवं रजनी सोनी ने किया।

मुख्य वक्ता हरेन्द्र सिंह चंदेल ने अपने उद्बोधन में बीएमएस की स्थापना, उसकी कार्यप्रणाली एवं राष्ट्र-उद्योग-श्रमिक के समन्वय में संगठन की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने दत्तोपंत ठेंगड़ी के जीवन से जुड़े त्याग, तपस्या और बलिदान के प्रेरणादायी प्रसंग साझा किए।

द्वितीय सत्र में अशोक प्रताप सिंह ने संगठन के उत्सव, गीत, नारे एवं पंच परिवर्तनों के माध्यम से श्रमिकों के आत्मनिर्भर और समग्र विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्षता कर रहे भूपेंद्र सिंह बुंदेला ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बीएमएस जिला उपाध्यक्ष अर्चना साहू, अनिल सेन, वीरेंद्र सिंगोट, कोषाध्यक्ष दिव्या सक्सेना, सह मंत्री राजेन्द्र चौरसिया, धनवंती शर्मा, विनोद तिवारी, नरेन्द्र चतुर्वेदी (पूर्व जिलाध्यक्ष बीएमएस), वरिष्ठ नागरिक मंच जिलाध्यक्ष सुनील अवस्थी, सचिव अरविंद बिंदुआ, पेंशनर्स संघ जिलाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद सेन, आंगनबाड़ी संघ जिलाध्यक्ष नीतू राजा, ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश पटेल, संविदा स्वास्थ्य संघ जिलाध्यक्ष दीपेश नायक, बीड़ी मजदूर संघ से राजश्री उदैनिया, दीपाली तामकार, आदित्य बाल्मीकि (जिलाध्यक्ष भारतीय सफाई मजदूर संघ), स्वामी प्रसाद पटेल, व्दारिका प्रसाद प्यासी, रघुराज सिंह, सतीश पाठक, अभय निगम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सिरमौर जनपद में अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास की सुगबुगाहट, 22 सदस्य लामबंद

रीवा। जनपद पंचायत सिरमौर की अध्यक्ष रवीना साकेत के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की सुगबुगाहट तेज हो गई है,अंदरखाने 22 जनपद सदस्यों के एकजुट होने की चर्चा है, वहीं रविवार दोपहर के बाद से कई सदस्यों के मोबाइल फोन बंद होने से राजनीतिक हलचल और गहरा गई है मिली जानकारी मुताबिक एक-दो दिन में इस संबंध में औपचारिक आवेदन कलेक्टर को सौंपा जा सकता है। जनपद पंचायत में कुल 25 सदस्य हैं, जिसमें से अविश्वास प्रस्ताव पारित करने के लिए कम से कम 19 का समर्थन आवश्यक है। मौजूदा समीकरणों को देखते हुए यह प्रयास आसान नहीं होगा, लेकिन जिस तरह से लामबंदी हो रही है, उससे सत्ता पक्ष में बेचैनी जरूर दिख रही है। अध्यक्ष के खिलाफ नाराजगी कोई नई बात नहीं है। कई सदस्यों का आरोप रहा है कि रवीना साकेत कार्य प्रणाली में पारदर्शिता नहीं बरत रही हैं और जनप्रतिनिधियों की मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। पंचायत की बैठकों में भी इस मुद्दे को समय-समय पर उठाया जाता रहा है, लेकिन समाधान नहीं निकल पाया। कुछ सदस्यों ने बीते दिनों भोपाल और रीवा स्तर पर भी शिकायतें पहुंचाई थीं। अब असंतोष की यह आग अविश्वास प्रस्ताव के रूप में सामने आने को तैयार दिख रही है। बता दे अध्यक्ष रवीना साकेत विधायक दिव्यराज सिंह के करीबी मानी जाती हैं। अगर अविश्वास प्रस्ताव आता है और पास हो जाता है, तो यह उनके लिए भी राजनीतिक चुनौती बन सकता है। वहीं, सेमरिया क्षेत्र से विधायक अभय मिश्रा और पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी का भी इस पूरे घटनाक्रम में अप्रत्यक्ष प्रभाव माना जा रहा है। वर्ष 2020 में अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान भी यह सीट तीखी राजनीतिक खींचतान का केंद्र बनी थी। उस समय कांग्रेस ने भी खुलकर रवीना साकेत का साथ दिया था।

राजनीतिक रस्साकशी, फोन बंद, बैठकें जारी

रविवार को दोपहर के बाद जनपद के कई सदस्यों के मोबाइल फोन बंद हो गए, जिससे अटकलें और तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि एक गुट किसी सुरक्षित स्थान पर बैठक कर रणनीति बना रहा है। समर्थकों का दावा है कि जल्द ही प्रस्ताव तैयार कर कलेक्टर को सौंपा जाएगा।

निर्माण कार्यों को तय समय सीमा पर पूरा करें : कमिश्नर

संभागीय कमिश्नर ने नगर निगम के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने नगर निगम क्षेत्र में अमृत योजना के तहत कराए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया। कमिश्नर ने कुठुलिया में बनाए जा रहे इंटेकवेल तथा जल शोधन संयंत्र, पंप हाउस तथा अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि रीवा शहर का तेजी से विस्तार हो रहा है। आमजनों की पेयजल व्यवस्था का भी उसी तेजी से विस्तार आवश्यक है। अमृत-2 योजना के निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरे कराएं जिससे आमजनता को स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता हो सके। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निर्माण कार्यों के प्रभारी कार्यों के प्रगति की हर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। पेयजल व्यवस्था से जुड़े निर्माण कार्य 30 नवम्बर तक हरहाल में पूरे कराएं। इसके बाद कमिश्नर जामोद ने 31 एमएलडी क्षमता वाले पुराने जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने पानी को शुद्ध करने तथा आमजनता तक पहुंचाने की प्रणाली की जानकारी ली। इसके बाद कमिश्नर ने वार्ड नम्बर 25 में बनाए गए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इसका निर्माण कार्य 31 जुलाई तक पूरा करके सीवरेज लाइन से घरों के कनेक्शन जोड़ें। इसके बाद कमिश्नर ने समान तिराहा के पास चल रहे सीवरेज लाइन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बारिश में सीवरेज लाइन का निर्माण सावधानी से करें। आमजनता के आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य करें। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क सुधार का कार्य तत्काल कराएं।

प्रदूषण और महामारी फैलाने का बड़ा कारण बन सकता है अस्पताल का यह लापरवाह रवैया

संजय गांधी अस्पताल के पीछे खुले में डाला जा रहा ज़हरीला बायोमेडिकल वेस्ट

खून से सनी पट्टियाँ, इंजेक्शन और ब्लड बैग्स खुले में पड़े, मंडरा रहा संक्रमण का खतरा

रीवा।

अस्पतालों का फर्ज है कि लोगों की जान को बचाया जाए नाकि कोई ऐसा काम किया जाए, जिससे कि लोगों की जान को खतरा पैदा हो। विंध्य क्षेत्र सबसे अस्पताल संजय गांधी अस्पताल में ऐसा ही हो रहा है। अस्पताल से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट को खुले में फेंककर दूसरों की जान को खतरा पैदा कर रहे हैं। नियम व कानून की धज्जियां उड़ाते हुए बायोमेडिकल वेस्ट को खुले में अस्पताल के पीछे फेंका जा रहा है,वेस्ट में इंजेक्शन व पूरी सीरिंजों के साथ-साथ दवाएं भी हैं जोकि संक्रमण फैलने का कारण बन सकता है। बता दे अस्पताल परिसर के पीछे खुले में इन्फेक्टेड इंजेक्शन, खून से सनी पट्टियाँ, ब्लड बैग्स और अन्य मेडिकल वेस्ट बगैर किसी प्रोटेक्शन के फेंके गए हैं। इससे न सिर्फ आम लोगों की जान को खतरा है, बल्कि सफाई कर्मचारियों, बच्चों और जानवरों तक के लिए यह मौत का सामान साबित हो सकता है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब संजय गांधी अस्पताल में ऐसी लापरवाही सामने आई है। विगत पिछले वर्ष भी इसी तरह के हालात की तस्वीरें सामने आई थी तब भी अस्पताल प्रबंधन को इसकी जानकारी दी गई थी। लेकिन अफसोस, एक साल बाद भी तस्वीर नहीं बदली। बता दें कि एनजीटी ने साफ तौर पर चिकित्सा अपशिष्ट के निस्तारण के लिए कड़े नियमों का प्रावधान किया है. जिसके तहत एक अलग तरीके से बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण की प्रक्रिया अपनाई जाती है. साफ तौर पर हिदायत दी गई है कि क्लोरिनेटेड, प्लास्टिक बैग दस्तानों और ब्लड बैंक से निकलने वाले निडिलजैसे अपशिष्ट को एक अलग ढंग से निस्तारित किया जाए,इसके अलावा सरकार ने बायो मेडिकल वेस्ट के सही से निस्तारण ना करने पर सख्त रूख अपनाते हुए 5 साल की कैद और 1 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान रखा है.लेकिन संजय गांधी अस्पताल प्रबंधन को ना तो एनजीटी से डर लगता है और ना ही सरकार के बनाए गए कानून से. इससे वायु प्रदूषण फैलने का खतरा मंडरा रहा है जो इंसानी जिंदगी के साथ ही अन्य जीवों की जिंदगी के लिए भी घातक हो सकता है।

जिम्मेदार बोले मुझे जानकारी नहीं

जब इस मामले में अस्पताल के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल से संपर्क किया गया, तो उन्होंने इस विषय पर अनभिज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें इस तरह के कचरे के खुले में फेंके जाने की कोई जानकारी नहीं है। जब उन्हें वायरल वीडियो के बारे में बताया गया, तो उन्होंने इस पर कोई स्पष्ट जवाब देने से इनकार कर दिया। यह और भी चौंकाने वाली बात है कि जिस व्यक्ति के जिम्मे मेडिकल कॉलेज सहित अस्पताल की संपूर्ण व्यवस्था है, वह खुद ही इससे अनजान है। एक अस्पताल के डीन की जिम्मेदारी सिर्फ शैक्षणिक नहीं होती, बल्कि प्रबंधन, निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था की भी होती है।

बायोमेडिकल वेस्ट क्यों है खतरनाक?

बायोमेडिकल वेस्ट यानी अस्पतालों, क्लीनिकों और लैब्स से निकलने वाला ऐसा कचरा जिसमें खून, इंजेक्शन, ऑपरेशन के बाद की पट्टियाँ, निडल्स, ब्लेड्स और अन्य इन्फेक्टेड सामग्री शामिल होती है। यह कचरा एचआईवी, हेपाटाइटिस वि-सी टायफाइड, टीबी जैसी बीमारियाँ फैलाने का जरिया बन सकता है। अगर यह वेस्ट खुले में पड़ा रहे और किसी व्यक्ति या जानवर को इससे चोट लग जाए या संपर्क हो जाए, तो जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यही नहीं, यह पर्यावरण को भी गंभीर रूप से प्रदूषित करता है।

क्या कहते है नियम

भारत सरकार ने बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 के तहत ऐसे वेस्ट के संग्रहण, सेग्रीगेशन, डिस्पोज़ल और ट्रीटमेंट के लिए सख्त नियम बनाए हैं। इनका पालन न करने पर संबंधित अस्पताल पर भारी जुर्माना, कानूनी कार्रवाई और यहां तक कि लाइसेंस रद्द कर अस्पताल बंद तक किया जा सकता है।

सीवर लाइन से जुड़े सभी निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक पूरा करें

सफाई करने के साथ लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक करने के निर्देश

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद ने नगर निगम सभागार में आयोजित बैठक में नगर निगम के कार्यों और विकास योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि रीवा तेजी से विकसित होने वाला शहर है। इसे अधोसंरचना विकास के साथ-साथ स्वच्छता में भी अव्वल बनाएं। बाजार तथा सार्वजनिक स्थलों में रात में साफ-सफाई कराएं। सफाई के बाद यदि कोई कचरा फैलाता है तो दण्डात्मक कार्यवाही करें। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लेकर शहर में स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करें। आमजनता के सहयोग से ही शहर को साफ-सुथरा और सुंदर रखने का अभियान सफल होगा। हर घर से कचरा संग्रहण की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाएं। कमिश्नर ने कहा कि सीवर लाइन से जुड़े सभी निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से पूरे करें। जिन क्षेत्रों में सीवर लाइन का कार्य पूरा होता जा रहा है वहाँ सड़कों में सुधार का कार्य तत्काल कराएं। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण पूरा होते ही घरों में सीवरेज कनेक्शन तेजी से कराएं। अमृत-2 योजना के तहत पेयजल संबंधी निर्माण कार्य की गति प्रशंसनीय है। इसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वीकृत 4198 आवासों में 3983 का कार्य पूरा हो गया है। शेष 215 आवासों का निर्माण पूरा कराने के लिए कार्य योजना बनाकर प्रयास करें। आवास निर्माण की ठीक से मॉनीटरिंग न करने पर कमिश्नर ने प्रभारी अधिकारी आवास को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि शहर में स्वच्छता के लिए पुनः अभियान शुरू करें। प्रत्येक वार्ड के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर दें। सफाई अभियान की लगातार मानीटरिंग करें। व्यापारी संघों और अन्य संगठनों के साथ बैठक करके बाजार में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि इस साल प्रदेश भर में लगातार अच्छी वर्षा हो रही है। शहर के बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन करके राहत और बचाव के लिए आवश्यक प्रबंध करें। शहर के नालों की साफ-सफाई और सुधार का कार्य सात दिवस में अनिवार्य रूप से पूरा करें। राहत शिविरों में ठहरने, भोजन, शौचालय, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश तथा प्राथमिक उपचार की पूरी व्यवस्था रखें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि अमृत-1 योजना में 363.64 किलोमीटर में सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें से 229.4 किलोमीटर में पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा हो गया है। दिसम्बर माह तक कार्य पूरा हो जाएगा। इसके तहत 6 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य इसी माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। केवल जयंती कुंज एसटीपी के उन्नयन का कार्य शेष बचेगा। गंदे नालों के पानी के ट्रीटमेंट के लिए इजरायली तकनीक का उपयोग करने के लिए कार्य शुरू हो गया है। अमृत-2 योजना इंटेक वेल जलशोधन संयंत्र और पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें स्वीकृत 12 टंकियों में से 4 का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। शेष का कार्य दो माह में पूरा हो जाएगा। अमृत-2 योजना से कुबेर तालाब तथा झलबदरी तालाब में जल संरक्षण का कार्य पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से निराला नगर में व्यावसायिक परिसर और 700 आवासों का निर्माण की कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है। बैठक में शहरी आजीविका मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, कार्यपालन यंत्री एचके त्रिपाठी, सहायक यंत्री एसके गर्ग, सहायक यंत्री अम्बरीश सिंह, सहायक यंत्री पीएन शुक्ला, सहायक यंत्री राजेश मिश्रा, सहायक यंत्री अभिनव चतुर्वेदी, उपायुक्त वित्त प्रकाश द्विवेदी, उपायुक्त राजस्व एमएस सिद्दीकी, प्रभारी आजीविका मिशन अभिमन्यु सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हाइटेंशन लाइन के चपेट में आने से महिला की मौत

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ढेकहा की घटना,परिजनों सहित स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का लगाया आरोप

रीवा।

शहर के ढेकहा इलाके में उस वक्त मातम पसर गया जब एक महिला की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। भवानी नगर वार्ड क्रमांक 5 में रहने वाली 35 वर्षीय प्राप्ति तिवारी की मौत हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से हो गई। मृतका के पति संजीव तिवारी रेलवे सुरक्षा बल में पदस्थ हैं। हादसा उस समय हुआ जब प्राप्ति किसी कार्यवश घर की छत पर गई थीं प्रत्यक्षदर्शियों और परिवार के अनुसार, छत के ऊपर से गुजर रही 33 हजार केवी क्षमता वाली विद्युत लाइन अचानक महिला के संपर्क में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गईं और मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद जब परिजनों ने विद्युत आपूर्ति बंद कराने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन किया, तो किसी ने भी कॉल रिसीव नहीं किया। परिजन घंटों तक विभागीय मदद के लिए भटकते रहे, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। मृतका का शव तत्काल संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की। घटना के बाद मोहल्ले में आक्रोश व्याप्त हो गया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि वर्षों से हाईटेंशन लाइन को रिहायशी इलाकों से हटाने की मांग की जा रही थी, लेकिन बिजली विभाग के अधिकारियों ने इसे नजरअंदाज किया। घटना के बाद मोहल्लेवासियों ने बिजली विभाग के खिलाफ कड़ी नाराजगी जाहिर की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस तरह की दुर्घटनाएं विभाग की लापरवाही का नतीजा हैं। भवानी नगर निवासी सुरेश मिश्रा ने बताया,

हमने कई बार लिखित में मांग की थी कि इस लाइन को शिफ्ट किया जाए, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। अगर समय रहते ध्यान दिया जाता, तो आज एक जान न जाती।

कलेक्टर ने नवनिर्मित हुजूर तहसील कार्यालय भवन का किया निरीक्षण

तहसील भवन के लोकार्पण की 20 जुलाई तक तैयारी पूरी करें

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कालेज चौराहे के समीप बनाए गए हुजूर तहसील के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का इसी माह रीवा का दौरा प्रस्तावित है। प्रस्तावित दौरे में मुख्यमंत्री नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। भवन के लोकार्पण की सभी तैयारियाँ 20 जुलाई तक पूरी कर लें। भवन की साफ-सफाई, परिसर में पेवर लगाने, पार्किंग एरिया के विकास तथा भवन के पीछे रिक्त भूमि पर वृक्षारोपण की तैयारी कर लें। कार्यालय के सभी कक्ष व्यवस्थित कराकर फर्नीचर लगा दें। भवन के प्रवेश द्वार में राजस्व विभाग की प्रमुख योजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित कराएं। कार्यालय के लिए आवश्यक फर्नीचर की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करें। नए भवन में उपलब्ध स्थान का समुचित उपयोग करते हुए तहसील कार्यालय को व्यवस्थित रूप से स्थापित करें। अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ आमजन के लिए उपलब्ध सुविधाओं और अभिलेखों को व्यवस्थित रखने के लिए भी समुचित प्रबंध करें। निरीक्षण के समय एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, कार्यपालन यंत्री पीआईयू तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ली युवक की जान

रीवा

जिले के जवा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जहां रिश्तेदारों से मिलने जा रहे एक युवक की ट्रैक्टर की टक्कर से दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा रविवार दोपहर जवा बाजार के समीप हुआ, जब युवक अपनी बाइक से गुजर रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोहागी क्षेत्र निवासी युवक बाइक से जवा की ओर जा रहा था। जैसे ही वह बाजार के पास पहुंचा, सामने से आ रही सरिया लदी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक समेत युवक सड़क पर गिर गया और ट्रॉली का पिछला पहिया उसके सिर से गुजर गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई,हादसे की सूचना मिलते ही जवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। युवक की पहचान उसके पास मिले दस्तावेजों के आधार पर की गई। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर लिया है और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। चालक से पूछताछ की जा रही है, साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि क्या उसे ट्रैक्टर चलाने की अनुमति थी या नहीं।

चिल्लाते रहे लोग, नहीं रुक पाया ट्रैक्टर

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद राहगीरों और दुकानदारों ने चालक को रुकने के लिए शोर मचाया, लेकिन ट्रैक्टर नहीं रुका। जब लोगों ने पास जाकर चालक को रोका, तब चौंकाने वाला खुलासा हुआ,ट्रैक्टर चला रहा व्यक्ति मूकबधिर (था। वह किसी की आवाज सुनने में असमर्थ था, जिससे समय रहते वाहन नहीं रोक सका और जानलेवा हादसा हो गया।

मोबाइल दुकान पर बड़ी सेंधमारी, नकदी और मोबाइल लेकर फरार हुए चोर

रीवा। जिले के सगरा कस्बे में शनिवार रात चोरों ने एक मोबाइल दुकान को निशाना बनाते हुए हजारों की नकदी और कीमती मोबाइल चुरा लिए। घटना की जानकारी रविवार सुबह तब सामने आई, जब दुकानदार ने टूटे हुए ताले और बिखरे सामान को देखा। जानकारी के अनुसार नदना निवासी अमन मिश्रा की सगरा बाजार में मोबाइल और एक्सेसरीज की दुकान है। रोज की तरह शनिवार की शाम भी उन्होंने दुकान बंद कर घर लौट गए थे। लेकिन देर रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और काउंटर तोड़ते हुए उसमें रखी नकदी, तीन महंगे मोबाइल फोन और अन्य सामान समेट ले गए। सुबह जब बाजार के आसपास के दुकानदार पहुंचे तो उन्होंने दुकान का ताला टूटा देखा, जिसके बाद स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पीड़ित दुकानदार मौके पर पहुंचा और चोरी की पुष्टि होने के बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सगरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। थाना प्रभारी अंकिता मिश्रा ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

कमिश्नर और आईजी ने पुलिस लाइन में किया पौधारोपण

नगर निगम ने पुलिस लाइन में रोपे 5 हजार पौधे

रीवा। जिले भर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया जा रहा है। अभियान के तहत नगर निगम द्वारा पुलिस लाइन में वृहद वृक्षारोपण किया गया। अभियान का शुभारंभ करते हुए कमिश्नर बीएस जामोद तथा आईजी गौरव राजपूत ने पौधे रोपित किए। नगर निगम तथा पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से पुलिस लाइन और पुलिस परेड ग्राउंड में 5 हजार पौधे रोपित किए। इस अवसर पर डीआईजी राजेश सिंह, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, पुलिस विभाग की टीम तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी पौधे रोपित किए। इस अवसर पर कमिश्नर श्री जामोद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हम सबके स्वास्थ्य की रक्षा के लिए हरियाली आवश्यक है। पेड़-पौधों से हमें जीवनदायिनी वायु मिलती है। मानव का जीवन भी पेड़-पौधों पर ही निर्भर है। हम लगातार वृक्षारोपण करके धरती माता को हरा-भरा बनाने का प्रयास करें। हरा-भरा वातावरण सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ हमारे भावी पीढ़ी के जीवन की सुरक्षा भी करेगा। नगर निगम ने सराहनीय प्रयास करके एक ही दिन में पाँच हजार पौधे रोपित किए हैं। सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं को भी एक पेड़ माँ के नाम अभियान में शामिल करें। सबके सहयोग से ही शहर को हरा-भरा बनाने का प्रयास सफल होगा। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत ने कहा कि वृक्षारोपण को त्यौहार की तरह मनाना चाहिए। हरियाली महोत्सव पर्यावरण की सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। हर व्यक्ति कम से कम दो पौधे रोपित करके इसमें अपना योगदान दे। रोपित पौधों की सुरक्षा का भी पूरा प्रबंध करें। एक पेड़ माँ के नाम अभियान हमें पूर्वजों को याद करके वृक्षारोपण के माध्यम से उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने का संदेश देता है। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम डॉ सोनवड़े ने कहा कि पूरे शहर में कार्ययोजना बनाकर पौधे रोपित किए जा रहे हैं। पौधों को विशेष तकनीक से अलग-अलग प्रजातियों में क्रमबद्ध रूप से लगाया जा रहा है, जिससे उनमें वृद्धि दर तेज रहे। रोपित पौधों की सुरक्षा के भी पूरे प्रबंध किए गए हैं। सबके सहयोग से शहर को

हाईवे में प्रतिदिन मवेशियों की हो रही मौत, मनगवां के पास ट्रक ने पांच मवेशियों को कुचला

रीवा।

जिले के नेशनल हाईवे में मवेशियों की की संख्या बारिश का मौसम शुरू होते ही बढ़ गई है। इसके चलते जहां सड़क दुर्घटना का शिकार आम लोग हो रहे है, तो वहीं इसके कारण कई गौवंश भी मौत का शिकार हो रहे है। गढ़ थाना क्षेत्र के एनएच में पूर्व में एक दर्जन मवेशियों की मौत ट्रेलर ट्रक की चपेट में आने से हुई थी, इसके बाद रीवा-सीधी मार्ग में खड्डा टोल प्लाजा के पास भी ऐसी ही सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन मवेशी मौत के गाल में समा गए थे। अब ताजी घटना मनगवां हाईवे में सामने आई है। जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने 5 मवेशियों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनकी मौत हो गई। बताया गया कि शनिवार की अल सुबह करीब 3 बजे एक बार रीवा प्रयागराज हाईवे के मंनगवा के समीप हाईवे पर मवेशियों को रौंदता हुआ एक वाहन गुजर गया जिसमें से पांच मवेशियों की मौके पर मौत हो गई और उनके खून से सड़के लाल हो गई

अखिल भारतीय वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष निर्वाचित हुए सुलेंद्र

मऊगंज।

अखिल भारतीय वैश्य समाज की निर्वाचन बैठक मे सुलेंद्र गुप्ता (गेंद बाबू) को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किए गए एवं जिला उपाध्यक्ष पद पर उदय केशरी निर्वाचित किए गए। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय केसरवानी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने की एवं विशेष रूप से राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय केसरवानी राष्ट्रीय कार्यसदस्य दिनेश केशरवानी, उत्तरप्रदेश प्रयागराज के प्रदेश अध्यक्ष हनुमान केशरवानी, पुष्पराज केशरवानी उपस्थित रहे।मऊगंज केशरवानी वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर व्यापारी संघ के अध्यक्ष छेदी लाल गुप्ता, सीताराम गुप्ता,दिनेश गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता,संजय गुप्ता वैश्य समाज नगर अध्यक्षजवाहरलालगुप्ता मानिकलाल रामपाल सीताराम मनोज मनीष प्रमोद जितेंद्र सोम राजेन्द्र दीपू अनीश मुनींद्र नीलेश राजकुमार बैजनाथ रतनलाल रामायण रामसजीवन महेश शिवप्रसाद बाली हिमांशु विक्रम विमल एवं आदि लोगों ने नव नियुक्त जिला अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को बधाई दी तथा नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुलेंद्र गुप्ता ने समस्त वरिष्ट लोगों का आभार व्यक्त किया ।

भारतीय किसान संघ तहसील इकाई का प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

मऊगंज। भारतीय किसान संघ तहसील इकाई मऊगंज के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण वर्ग 2 संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का विषय मुख्य रूप से संगठन माननीय दांतोपतं ठेगड़ी का जीवन परिचय एवं कृत कार्य रहा भारतीय किसान संघ की कार्य पद्धति, रीति नीति, ग्राम समिति का संगठन का कार्य विस्तार आदि विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया कार्यक्रम में संभागीय अध्यक्ष छोटे लाल दुवेदी, संभागीय सहमंत्री अरुणेन्द्र सिह, जिला अध्यक्ष हरि शंकर पाण्डे, जिला सह मंत्री यज्ञनारायण सिंह जिला समिति सदस्य एवं पालक त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय, जिला सदस्य रमा निवास पाण्डे, तहसील अध्यक्ष श्री विभूतिभूषण परिहार, आदि का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ कार्यक्रम में रामरतन मिश्रा तहसीलकार्यकारिणी सदस्य प्रोफेसर सौरभ सिंह, विशेष आमंत्रित सदस्य अरुण कुमार द्विवेदी, सुरेश चन्द्र विश्वकर्मा, साथ ही ग्राम समिति के अध्यक्ष, मंत्री कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

NAME CHANGE

I, Neeraj Kumar Chaturvedi S/O: Ramnaresh Chaturvedi, R/O166, gram- mudariya chauban, post- mudariya chauban, mauganj. VTC: Mudariya Chouban,PO: Mudaria, Sub District: snj, District: Rewa State: Madhya Pradesh: 486331, have changed the name of my minor son namely Divyansh Chaturvedi aged 11 years and he shall hereafter be known as ABHINAV CHATURVEDI.